an>

Title: Need to procure paddy crop in Chandauli Parliamentary Constituency.

डॉ. महेन्द्र नाथ पाण्डेय (चन्दौली) : अध्यक्ष महोदया, आपने मुझे बोलने के अवसर दिया, इसके लिए आपका धन्यवाद। मैं उत्तर प्रदेश के जिस चन्दौली क्षेत्र से आता हूं उसे धान का कटोरा कहा जाता है। लेकिन आज वहां के किसान दुर्दशा की जिंदगी जी रहे हैं। धान की फसल एक तो सूखे के कारण बर्बाद हुई, दूसरा उसकी खरीद भी नहीं हो रही है। पिछली बार 56 धान क्रिय केन्द्र थे, लेकिन इस बार 46 खुले हैं और वे भी कागजों में ही खुले हैं। विडम्बना यह है कि सूखे की हालत में धान में नमी ज्यादा पाई जाती है, धान में हल्कापन भी रहता है। जहां एफसीआई 13-14 परसेंट नमी पर चावल खरीदती है, वहीं आज एफसीआई 15 परसेंट नमी देने पर ही उसे खरीद नहीं रहे हैं, जबकि उन्हें 18 परसेंट नमी का मापदंड रखना चाहिए। ये सारी कठिनाइयां वहां के किसान झेल रहे हैं। मैं आपके माध्यम से राज्य सरकार और केन्द्र सरकार से कहना चाहता हूं कि वे अपनी संस्थाओं को सही निर्देश दे, ताकि किसानों की समस्या हल हो सके। दूसरा, रबी की बुवाई शुरु हो गयी है लेकिन किसान खाद नहीं खरीद सका है। आज 30,000 मीट्रिक टन खाद की आवश्यकता है लेकिन सरकार ने 15000 मीट्रिक टन की ही रिक्वायरमेंट भेजी है और वहां केवल 3000 मीट्रिक टन खाद ही पहुंची है। चन्दौली और बनारस जिले में किसान मर रहे हैं, इसलिए महोदया, कृपया इस पर उचित निर्देश दें, और खाद की उपलब्धता सुनिश्चित कराएं। धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष : श्री भैरों प्रसाद मिश्र को डॉ महेन्द्र नाथ पाण्डेय के विषय के साथ सम्बद्ध किया जाता है।